

Series JSK/1

Set No. 4

प्रश्न-पत्र कोड 003/1/4

अनुक्रमांक

--	--	--	--	--	--	--	--

छात्र प्रश्न-पत्र कोड को OMR शीट में आबंटित जगह में लिखें।

नोट

- | |
|---|
| (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 12 हैं। |
| (ii) प्रश्न-पत्र में ऊपरी दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को छात्र OMR शीट में उपयुक्त स्थान पर लिखें। |
| (iii) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 54 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) हैं। |
| (iv) परीक्षा शुरू होने के वास्तविक समय से पहले इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 20 मिनट का अतिरिक्त समय आबंटित किया गया है। |

हिन्दी (अ)

सत्र - I

निर्धारित समय : 90 मिनट

अधिकतम अंक : 40

सामान्य निर्देश :

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 54 प्रश्न दिए गए हैं जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- (ii) सभी प्रश्न समान अंक के हैं।
- (iii) प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं - खण्ड क, ख और ग।
- (iv) खण्ड क में 20 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 1 से 20 में से 10 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।
- (v) खण्ड ख में 20 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 21 से 40 में से 16 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।
- (vi) खण्ड ग में 14 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 41 से 54 तक सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।
- (vii) प्रत्येक खण्ड में निर्देशानुसार परीक्षार्थियों द्वारा पहले उत्तर किए गए वांछित प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।
- (viii) प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक ही सही विकल्प है। एक विकल्प से अधिक उत्तर देने पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- (ix) ऋणात्मक अंकन नहीं होगा।

003/1/4

Page 1

P.T.O.

- I. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

5×1=5

अपठित गद्यांश I

शहर-पुड़िया में बाँध कर हम नहीं ला सकते साथ, किन्तु स्मृति बन वह हमारे स्नायुतंत्र में, हूक बनकर हमारे हृदयतंत्र में और दृश्य बन कर हमारी आँखों के छविगृह में चलता-फिरता नज़र आता है। इस लिहाज़ से जितने भी लोग वहाँ जिएँगे, सबके पास अपना-अपना इलाहाबाद होगा। विद्वान यहाँ इतिहास खँगालने आते हैं। विशेषज्ञ यहाँ भूगोल नापते हैं। कलाकार यहाँ सड़कें नापते हैं। उन्हीं में कहीं हम भी हैं। ऐसा नहीं कि इलाहाबाद में हमसे पहले कोई फ़नकार नहीं रहा। लाखों रहे, जिए और जलवा-फ़रोश हुए। इन्हीं गलियों में उनके पाँव पड़े, संगम का जल उन्हें भिगो गया। यहीं का आसमान उनकी नज़रों ने देखा, यहीं की हवाओं में उन्होंने साँस ली। हम शहर में आते हैं, जीते हैं, काम करते हैं, अपने दिन तमाम करते हैं। नहीं पता होता कि शहर छोड़ने से छूट नहीं जाता, वह खुशबू, ख्याल और ख्वाब बनकर हमारे अंदर बस जाता है। इलाहाबाद वह शहर है जिसने हमारी मस्ती देखी है तो पस्ती भी, संघर्ष देखा है तो सफलता भी। इलाहाबाद में विपन्नता का वैभव और गरीबी का गौरव है। आम आदमी का शहर है यह।

1. शहर हमारे साथ किस तरह से रहता है ?
(a) स्मृति, हूक और आनंद स्वरूप (b) स्मृति, हूक और प्रेम बनकर
(c) स्मृति, हूक और दृश्य रूप में (d) छवि, हूक और दृश्य रूप में
2. उपरोक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित विकल्पों के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन-सा विकल्प सही है ?
(i) शहर को देखने-महसूस करने की दृष्टि मिलती है।
(ii) इलाहाबाद शहर के प्रति विशेष प्रेम का परिचय मिलता है।
(iii) इलाहाबाद शहर में मिली व्यक्तिगत सफलता का वर्णन है।
(a) (i), (ii) और (iii) तीनों सही हैं। (b) (i) और (ii) सही हैं।
(c) (i) और (iii) सही हैं। (d) (ii) और (iii) सही हैं।
3. गद्यांश में इनमें से किसका विशेष उल्लेख नहीं हुआ है ?
(a) विद्वानों (b) विशेषज्ञों (c) कलाकारों (d) अभिनेताओं
4. "शहर खुशबू, ख्याल और ख्वाब बनकर हमारे अंदर बस जाता है।" – शहर को देखने का यह दृष्टिकोण है :
(a) भावात्मक (b) यथार्थवादी (c) आलोचनात्मक (d) निराशावादी
5. गद्यांश के आधार पर इलाहाबाद के बारे में कौन-सी विशेष बात पता चलती है ?
(a) वहाँ सम्पन्नता का वैभव और गरीबी का गौरव है।
(b) वहाँ संघर्ष तो है पर सफलता नहीं।
(c) वहाँ विपन्नता का वैभव और गरीबी का गौरव है।
(d) वहाँ विपन्नता का दुख और गरीबी का उपहास है।

अथवा

अपठित गद्यांश II

आदमी बनने की तमीज़ सीखने के बाद आदमी ने कैसे-कैसे वाद्य बनाए ! उमड़ते मेघों के मुखर गुस्से को मृदंग की चर्म-पट्टियों से बाँधा, बारिश के गिरने को सितार के तार दिए, देवताओं को दुख हुआ तो उन्हें वायलिन थमाया, पानी के बहने को बाँसुरी दी । मानव स्वर के सबसे निकट पहुँचने वाले कितने ही वाद्य बनाए । उसके सबसे नज़दीक पहुँची सागर वीणा के निर्माण को पचास साल भी नहीं हुए हैं । दुनिया में हज़ारों तरह के वाद्य और उनको बज़ाने के और भी हज़ारों तरीके हैं । तब भी किसी ऐसे वाद्य का निर्माण होना बाकी है जिससे निकलने वाला सुर आपके कंधे पर हाथ रखकर कहे – “घबराओ मत, मैं हूँ ।” यह काम तो किसी प्रिय मनुष्य की वाणी ही कर सकती है । आदमी की आवाज़ का कोई विकल्प नहीं । गीत उस आवाज़ का सबसे बड़ा हासिल है । बड़े गवैये का एक सुर संसार भर की भावनाओं को ज़बान दे सकता है । चरवाहों-मछुआरों के गीत प्रकृति को ऋचाओं में बदल देते हैं । गीतों की एक पंक्ति के भीतर बड़े उपन्यासों में आने वाली विशाल और जटिल दुनिया छिपाई जा सकती है । ध्वनि रिकॉर्डिंग का इतिहास डेढ़ सौ साल का भी नहीं है इसलिए हमें कभी मालूम नहीं पड़ सकेगा कि तानसेन और बैजू बावरा का वह मुकाबला कैसा रहा होगा जिसमें उन्होंने अपने गानों से दिया जला दिया, संगमरमर पिघला दिया ।

6. वाद्य-यंत्र और आवाज़ का कौन-सा युग्म सही है ?
- (a) सितार : पानी के बहने की आवाज़
(b) मृदंग : बारिश के गिरने की आवाज़
(c) वायलिन : मेघों की गर्जना की आवाज़
(d) सागर वीणा : मनुष्य की आवाज़ के निकट
7. उपरोक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित विकल्पों के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन-सा विकल्प सही है ?
- (i) मनुष्य को सांत्वना प्रिय की वाणी दे सकती है ।
(ii) वाद्य-यंत्र से भी कंधे पर हाथ रखने का भाव व्यक्त किया जा सकता है ।
(iii) दुनिया में संगीत के अनगिनत रूप हैं ।
- (a) (i), (ii) और (iii) तीनों सही हैं ।
(b) (i) और (ii) सही हैं, परन्तु (iii) ग़लत है ।
(c) (i) और (iii) ग़लत हैं, परन्तु (ii) सही है ।
(d) (i) और (iii) सही हैं, परन्तु (ii) ग़लत है ।
8. गद्यांश में प्रमुख रूप से किसे महत्त्व दिया गया है ?
- (a) वाद्यों को
(b) मनुष्य के स्वर को
(c) वीणा के आविष्कार को
(d) चरवाहों के गीत को
9. गीतों की एक पंक्ति के भीतर उपन्यासों की विशाल और जटिल दुनिया कैसे समा सकती है ?
- (a) संगीत के जादू से
(b) शब्दों की संक्षिप्तता से
(c) भावनाओं की गहराई से
(d) वाद्य-यंत्रों के कौशल से
10. प्रस्तुत गद्यांश का केंद्रीय विषय क्या है ?
- (a) संगीत का इतिहास
(b) मनुष्य और संगीत का संबंध
(c) बड़े गवैयों का परिचय
(d) तानसेन और बैजू बावरा का मुकाबला

- II. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

5×1=5

अपठित काव्यांश I

वे कितनी सहृदय बीमारियाँ थीं
जिनमें कुशल-क्षेम जानने, दुख-दर्द पूछने
आते रहे दोस्त, पड़ोसी और रिश्तेदार घर।
मरीज़ का हाथ अपने हाथ में लेकर
देते रहे दिलासा : 'कुछ नहीं होगा तुम्हें' का
सूझाते रहे कोई नुस्खा, व्यायाम या पथ्य
बड़ी समझाइशों के साथ।
आते समय लाते फल और जूस के डिब्बे
किताबें या कोई पुरानी गीतों की कैसेट
उन्हें वापस करने की नसीहत भी कितनी
मीठी और आत्मीय होती थी।
दलिया, खिचड़ी और मूँग की दाल से भरे
उन बर्तनों में कैसी दयावान सुगंध हुआ करती थी
और यह सदाशय इसरार भी कि बताओ
कल क्या खाओगे ?
कोरोना की इस बीमारी से जूझते हुए
आदमी बस उस आत्मीय स्पर्श को तरसता है
जो अब संबंधों से बिला गया है।
अकेले कमरे में लेटे हुए सोचता है कि
बीमारियाँ तो पहले भी थीं
पर इतनी क्रूर कब थीं
आदमी और आदमी के बीच
इतना बेहिस फासला कब था !

11. कोरोना अन्य बीमारियों से भिन्न कैसे है ?
- इसने आदमी को अकेला कर दिया है।
 - इसमें कोई मूँग-दाल की खिचड़ी नहीं लाता।
 - इसके लिए कोई दवाई नहीं बन सकी है।
 - इसमें आदमी बहुत सोचने लगता है।
12. कवि ने बीमारियों को 'सहृदय' क्यों कहा है ?
- उनमें लोग फल-जूस आदि देने आते थे।
 - उनका इलाज संभव था और मनुष्य ठीक हो जाता था।
 - उनमें मित्र और प्रियजन मिलने-जुलने आ सकते थे।
 - उनमें लोग नुस्खा आदि बता देते थे।

13. बीमार को किस बात की अपेक्षा नहीं रहती ?
- (a) लोग उसका हाल-चाल पूछने आएँ ।
 (b) लोग उसकी परवाह, चिंता करें ।
 (c) लोग उसे उसके हाल पर छोड़ दें ।
 (d) लोग उससे स्नेह जताने, भरोसा दिलाने मिलें ।
14. मरीज़ का हाथ अपने हाथ में लेकर – 'कुछ नहीं होगा तुम्हें' – कहने का आशय क्या होता है ?
- (a) मरीज़ के भय को दूर करने का प्रयास
 (b) मरीज़ के स्वास्थ्य की सही-सही जानकारी
 (c) मरीज़ के आत्मीय लोगों के लिए संबल
 (d) मरीज़ को दिलासा देने का प्रयास
15. कविता में व्यक्त केंद्रीय चिंता क्या है ?
- (a) कोरोना नामक बीमारी
 (b) बीमारियों में अंतर समझना
 (c) बीमार के साथ का व्यवहार
 (d) बीमारी और अकेलापन

अथवा
 अपठित काव्यांश II

प्यारे बच्चों हग तुम्हारे काम नहीं आ सके ।
 तुम चाहते थे हमारा कीमती समय तुम्हारे
 खेलों में व्यतीत हो ।
 तुम चाहते थे
 हम तुम्हें अपने खेलों में शामिल करें ।
 तुम चाहते थे कि हम तुम्हारी तरह मासूम बन जाएँ ।
 प्यारे बच्चों हमने ही तुम्हें बताया था
 जीवन एक युद्ध स्थल है
 जहाँ लड़ते ही रहना होता है ।
 हम ही थे जिन्होंने हथियार पैसे किए ।
 हमने ही छोड़ा युद्ध ।
 हम ही थे जो क्रोध और घृणा से बौखलाते थे ।
 प्यारे बच्चों हमने तुमसे झूठ कहा था ।

प्यारे बच्चों जीवन एक उत्सव है
 जिसमें तुम हँसी की तरह फैले हो
 जीवन एक हरा पेड़ है जिस पर तुम
 चिड़ियों की तरह फड़फड़ाते हो
 जैसा कि कुछ कवियों ने कहा है
 जीवन एक उछलती गेंद है और
 तुम उसके चारों ओर एकत्र
 चंचल पैरों की तरह हो
 प्यारे बच्चों अगर ऐसा नहीं है तो
 होना चाहिए ।

16. कवि को क्यों लगता है कि बड़े बच्चों के काम *नहीं* आ सके ?
- (a) वे बच्चों की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे ।
 (b) वे बच्चों के खेल में शामिल नहीं हो सके ।
 (c) उन्होंने बच्चों को अपने खेलों में शामिल नहीं किया ।
 (d) वे बच्चों की तरह मासूम नहीं बन सके ।
17. बड़ों ने बच्चों से क्या झूठ कहा था ?
- (a) समय कीमती है खेलों में नहीं व्यतीत करो ।
 (b) जीवन एक युद्ध स्थल है जहाँ लड़ते रहना होता है ।
 (c) हम सब एक समान मासूम और भोले हैं ।
 (d) दुनिया में जीने के लिए युद्ध जरूरी है ।
18. कवि जीवन को किस-किस रूप में देख रहा है ?
- (i) उत्सव (ii) हरा पेड़ (iii) उछलती गेंद
 उपरोक्त विकल्पों के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :
- (a) (i), (ii) और (iii) (b) (i) और (iii)
 (c) (ii) और (iii) (d) (i) और (ii)
19. कवि बच्चों के लिए कैसी दुनिया चाहता है ?
- (a) प्रसन्नता और संभावनाओं की सीमा वाली
 (b) युद्ध और संघर्ष से भरी हुई ।
 (c) प्रसन्नता, संभावनाओं और मासूमियत से भरी-पूरी ।
 (d) आनंद, उत्सव और गेंद के खेल वाली
20. बड़ों की दुनिया बच्चों की दुनिया से भिन्न किस प्रकार है ?
- (a) बड़ों की दुनिया में जिम्मेदारियाँ हैं जबकि बच्चे खेल-कूद में मग्न होते हैं ।
 (b) बड़ों की दुनिया के खेल जटिल हैं और बच्चों की दुनिया के बेहद सरल ।
 (c) बड़ों की दुनिया खतरों से भरी है जबकि बच्चों की मासूमियत से ।
 (d) बड़ों की दुनिया स्वार्थ के संघर्षों से भरी है जबकि बच्चों की दुनिया मासूमियत से ।

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

निर्देश: प्रश्न III से VI तक के सभी प्रश्नों में पाँच-पाँच उप-प्रश्न दिए गए हैं । उनमें से प्रत्येक से चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

III. वाक्य-रचना पर आधारित किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

4×1=4

21. हालदार साहब जीप से उतरे और पान वाले की दुकान की ओर चल पड़े – रचना के आधार पर वाक्य भेद होगा :

- (a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य (c) मिश्र वाक्य (d) जटिल वाक्य

22. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य संयुक्त वाक्य *नहीं* है ?
- (a) स्वयं दहेज को ठोकर मारने पर भी पिताजी के सामने झुकना पड़ा ।
 (b) मैं तो दहेज को ठोकर मारता हूँ पर पिताजी के सामने झुकना पड़ा ।
 (c) पिताजी के सामने झुकना पड़ा इसलिए दहेज लेना पड़ा ।
 (d) पिताजी के सामने मेरी एक न चली और दहेज लेना पड़ा ।
23. हम वहाँ गए थे सारी दौड़-धूप से दूर जहाँ जिंदगी सो रही थी – इस वाक्य में रेखांकित आश्रित उपवाक्य का भेद है :
- (a) विशेषण आश्रित उपवाक्य (b) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
 (c) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य (d) सर्वनाम आश्रित उपवाक्य
24. जो व्यक्ति देश के लिए मर मिटता है वहीं सच्चा देशभक्त होता है । – इस वाक्य का सरल वाक्य में रूपांतरण होगा :
- (a) देश के लिए जो मर मिटने वाला वह सच्चा देशभक्त होता है ।
 (b) जो भी देश के लिए मर मिटता है वह सच्चा देशभक्त होता है ।
 (c) देश के लिए मर मिटने वाला व्यक्ति ही सच्चा देशभक्त होता है ।
 (d) वह सच्चा देशभक्त है क्योंकि वह देश पर मर मिटता है ।
25. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य का उदाहरण है ?
- (a) इस देश को बनाने में अनेक गुमनाम और अनपढ़ माने गए लोगों ने योगदान दिया ।
 (b) इस देश को बनाने वाले लोग गुमनाम और गुलाम थे ।
 (c) देश को बनाने वाले सारे लोग गुमनाम और गुलाम थे ।
 (d) ऐसे लोगों ने इस देश को बनाया, जो गुमनाम और अनपढ़ माने गए ।

IV. वाच्य आधारित किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

4×1=4

26. “मैंने हिमालय को सलामी देनी चाही ।” – वाक्य में प्रयुक्त वाच्य पहचानिए :
- (a) कर्मवाच्य (b) भाववाच्य (c) कर्तृवाच्य (d) कर्तावाच्य
27. निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सा वाक्य भाववाच्य का *नहीं* है ?
- (a) चिड़ियों से उड़ा नहीं जाता । (b) मुझसे जाया नहीं जाता ।
 (c) रीता से दौड़ा नहीं जाता । (d) तुमसे कुछ भी खाया नहीं जाता ।
28. मेले में बच्चों ने कई तरह की पुस्तकें खरीदीं – इसे कर्मवाच्य में रूपांतरित करने पर होगा :
- (a) मेले में बच्चों द्वारा कई तरह की पुस्तकें खरीदी गईं ।
 (b) मेले में बच्चों ने कई तरह की पुस्तकें खरीद लीं ।
 (c) मेले में बच्चों से पुस्तकें खरीदी जाएंगी ।
 (d) बच्चों ने मेले में कई तरह की पुस्तकें लीं ।

29. निम्नलिखित में से कौन-सा कर्तृवाच्य का उदाहरण है ?
- (a) कुछ लोगों द्वारा पेड़ काटे जा रहे हैं । (b) चोर को मौके पर ही पुलिस ने पकड़ लिया ।
(c) नीले आसमान में पक्षियों से उड़ा जाता है । (d) चलो, अब चला जाए ।
30. सो रहे हो क्या ? – इस वाक्य का भाववाच्य में सटीक रूपांतरण होगा :
- (a) सोया जा रहा है क्या ? (b) तुम सोओगे क्या ?
(c) क्या सो रहे थे ? (d) तुम सो चुके थे क्या ?

V. पद संबंधी किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

4×1=4

31. मेरी माँ रोज़ शाम एक किताब से कुछ पन्ने जरूर पढ़ती है । – रेखांकित पद का परिचय होगा :
- (a) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्मवाच्य
(b) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य
(c) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य
(d) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य
32. पिताजी यहाँ नहीं आए थे । – रेखांकित पद का परिचय होगा :
- (a) स्थानवाचक, क्रिया-विशेषण, 'आए थे' क्रिया की विशेषता
(b) निश्चयवाचक, सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(c) रीतिवाचक, क्रिया-विशेषण, 'आए थे' क्रिया की विशेषता
(d) स्थानवाचक, क्रिया-विशेषण, 'जाना' क्रिया की विशेषता
33. निम्नलिखित में से किस वाक्य में समुच्चयबोधक अव्यय का प्रयोग नहीं हुआ है ?
- (a) बालगोबिन भगत ने कहा कि तुम मायके चली जाओ ।
(b) भादों की अधरतिया भगत के गीतों और बादलों की गरज से गूँजती रही ।
(c) मैंने कहा तो लेकिन उसने मेरी एक न सुनी ।
(d) छत के ऊपर शाम को ढेर सारे रंग-बिरंगे पक्षी आए ।
34. निम्नलिखित में से उस विकल्प को चुनिए जिसमें संज्ञा के तीनों भेद हों :
- (a) दुलारी के दिल में गुस्से की आग अभी भी सुलग रही थी ।
(b) कोई और दिन होता तो दुलारी इस समाचार पर हँस पड़ती ।
(c) बनारस में तीज के अवसर पर दुलारी के गाने का कार्यक्रम था ।
(d) टुत्रु के गीत को दुलारी मुग्ध होकर सुन रही थी ।
35. यह पुस्तक अत्यंत रोचक है । – रेखांकित पद का परिचय होगा :
- (a) निश्चयवाचक, सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(b) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'पुस्तक' विशेष्य
(c) रीतिवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'पुस्तक' विशेष्य
(d) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'पुस्तक' विशेष्य

VI. रस पर आधारित किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर, सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर दीजिए :

4×1=4

36. अद्भुत रस का स्थायी भाव है :

- (a) विस्मय (b) निर्वेद
(c) रति (d) हास

37. जब नाव जल में छोड़ दी

तूफान में ही मोड़ दी -

दे दी चुनौती सिंधु को

फिर धार क्या मझदार क्या ?

- इन पंक्तियों में कौन-सा रस है ?

- (a) शांत रस (b) रौद्र रस
(c) अद्भुत रस (d) वीर रस

38. हास्य रस का उपयुक्त उदाहरण कौन-सा है ?

- (a) बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ ।
सौह करे भौंहुन हँसै दैन कहै नटि जाइ ।
- (b) कवि बनने की इच्छा हो तो यह कला भी बहुत-मामूली —
नुस्खा बतलाता हूँ, लिख लो, कविता क्या है गाजर मूली ।
- (c) हाथ जो तुझ पर उठेगा हम उसे झकझोर देंगे ।
जंग की जो भी बात करेगा हम वह मुँह तोड़ देंगे ।
- (d) कैद है तेरी कलाई भी किसी कंगन में
तू भी सोने की चमकती हुई झंकार ही है ।

39. 'शोक' किस रस का स्थायी भाव है ?

- (a) शृंगार रस (b) करुण रस
(c) शांत रस (d) वीभत्स रस

40. 'बसो मोरे नैनन में नंदलाल ।

मोहनी मूरति सांवरि सूरति, नैणा बने बिसाल ।

मीरा प्रभु संतन सुखदाई,

भगत बछल गोपाल'

- प्रस्तुत पंक्तियों में आलंबन कौन है ?

- (a) कृष्ण (b) मीराबाई
(c) मोहिनी मूरति (d) नेत्र

खण्ड ग
(पाठ्यपुस्तक आधारित)

VII. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

5×1=5

इन सबके ऊपर, मैं तो मुग्ध था उनके मधुर गान पर-जो सदा-सर्वदा ही सुनने को मिलते । कबीर के वे सीधे-सादे पद, जो उनके कंठ से निकलकर सजीव हो उठते ।

आषाढ़ की रिमझिम है । समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है । कहीं हल चल रहे हैं, कहीं रोपनी हो रही है । धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं । औरतें कलेवा लेकर मंड पर बैठी हैं । आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं । ठंडी पुरवाई चल रही । ऐसे ही समय आपके कानों एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी । यह क्या है – यह कौन है । यह पूछना न पड़ेगा । बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं । उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है । उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मंड पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अज़ीब क्रम से चलने लगती हैं । बालगोबिन भगत का संगीत है या जादू ।

41. धान की रोपनी करते वक्त बालगोबिन-भगत गाते थे :
- (a) ईश्वर के भजन (b) सूरदास के पद
(c) रामचरितमानस की चौपाइयाँ (d) कबीर के पद
42. लेखक किस बात पर सबसे अधिक मोहित थे ?
- (a) भगत के धान रोपने के कौशल पर
(b) भगत के मधुर गान पर
(c) भगत के सौम्य व्यवहार पर
(d) भगत के निर्लिप्त स्वभाव पर
43. भगत और बाकी सब लोग बारिश के दिनों में धान की रोपनी क्यों कर रहे हैं ?
- (a) धान की फ़सल छाया में ही होती है ।
(b) धान की रोपनी गीली मिट्टी में की जाती है ।
(c) गर्मी से राहत मिलने पर वे ज्यादा देर तक रोपनी कर सकेंगे ।
(d) बारिश के खुशनुमा मौसम में काम आनंददायक हो जाता है ।
44. भगत के गाने का प्रभाव सभी पर अलग-अलग पड़ा । इनमें से किसका उल्लेख गद्यांश में नहीं हुआ है ?
- (a) बच्चे खेलते-खेलते अचंभित हो उठे ।
(b) हलवाहों के पैर ताल में उठने लगे ।
(c) स्त्रियों के होंठ काँप उठे, वे गुनगुनाने लगीं ।
(d) रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ क्रम से चलने लगीं ।

45. लेखक ने कहा है कि स्वर-तरंग के गूँजने पर यह पूछना नहीं पड़ेगा कि यह कौन है ? सभी बालगोबिन भगत के स्वर को पहचान लेंगे । क्योंकि :
- (i) भगत के संगीत का जादू सब पर छाया है ।
(ii) भगत कभी-कभी स्टेज पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया करते थे ।
(iii) भगत का संगीत सदा-सर्वदा सुनने मिलता था ।
- उपरोक्त लिखित विकल्पों के आधार पर निम्नलिखित विकल्पों में सही विकल्प का चयन कीजिए :
- (a) (i) सही है, परन्तु (ii) और (iii) गलत हैं । (b) (ii) गलत है, परन्तु (i) और (iii) सही हैं ।
(c) (iii) गलत है, परन्तु (i) और (ii) सही हैं । (d) (i), (ii) और (iii) तीनों सही हैं ।

VIII. पठित पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

2×1=2

46. दूसरी बार कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब ने ध्यान से देखने पर क्या पाया ?
- (a) नेताजी की मूर्ति के कपड़े बदले हुए हैं । (b) नेताजी की मूर्ति पर दूसरा चश्मा लगा है ।
(c) नेताजी की मूर्ति पर चश्मा ही नहीं है । (d) नेताजी की मूर्ति पर चौकोर चश्मा लगा है ।
47. हालदार साहब की नज़र में कस्बे में मूर्ति लगाने का प्रयास सराहनीय क्यों था ?
- (a) मूर्ति नेताजी की थी इसलिए (b) मूर्ति पर असली चश्मा था
(c) मूर्ति लगाने की भावना महत्त्वपूर्ण थी (d) मूर्ति में नेताजी मासूम दिख रहे थे

IX. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

5×1=5

कौसिक सुनहु मंद येहु बालकु । कुटिल कालबस निज कुल घालकु ॥
भानुबंस राकेस कलंकू । निपट निरंकुसु अबुधु असंकू ॥
कालकवलु होइहि छन माहीं । कहीं पुकारि खोरि मोहि नाहीं ॥
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा । कहि प्रताप बल रोषु हमारा ॥
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा । तुम्हहि अछत को बरनै पारा ॥
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी । बार अनेक भाँति बहु बरनी ॥
नहि संतोष त पुनि कहु कहहू । जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ॥
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा । गारी देत न पावहु सोभा ॥
सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु ।
विद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु ।

48. लक्ष्मण ने वीरों और कायरों की जो पहचान बताई है उसके अनुसार क्या सही नहीं है ?
- (a) वीर : युद्ध में वीरता का प्रदर्शन
(b) कायर : शत्रु समक्ष अपने प्रताप का वर्णन
(c) वीर : शत्रु समक्ष अपने प्रताप का वर्णन
(d) कायर : खुद की बड़ाई करना

49. क्रोध में भरकर परशुराम ने लक्ष्मण को क्या कहा है ?
- (a) सूर्यवंश में चन्द्रमा के समान कलंकी
 (b) चंद्रवंश में सूर्य के समान प्रतापी
 (c) सूर्यवंश में उदित बाल सूर्य
 (d) चन्द्रवंश के कलंकी चंद्रमा
50. परशुराम ने विश्वामित्र से किस प्रकार लक्ष्मण को समझाने की बात की है ?
- (a) सहस्रबाहु के वध के वर्णन द्वारा
 (b) अपने प्रताप, बल और क्रोध के वर्णन द्वारा
 (c) अपने प्रताप, बल और यश के वर्णन द्वारा
 (d) पृथ्वी को क्षत्रिय विहीन करने की घटना के वर्णन द्वारा
51. लक्ष्मण के अनुसार परशुराम के मुँह से अपशब्द शोभा नहीं देते, क्यों ?
- (a) वे ब्राह्मण और संन्यासी हैं । (b) वे तपस्वी और अवतारी हैं ।
 (c) वे वीर और धीर हैं । (d) वे शिव के भक्त हैं ।
52. लक्ष्मण ने परशुराम से कहा, “आपके रहते आपका सुयश और कौन बता सकता है ?” – ऐसा कहने के पीछे उनका मंतव्य है :
- (a) सम्मानजनक (b) व्यंग्यात्मक
 (c) रोषपूर्ण (d) उपेक्षापूर्ण

X. पठित पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

2×1=2

53. गोपियाँ उद्धव को बड़भागी क्यों कह रही हैं ?
- (a) उनसे ईर्ष्या कर (b) उनसे खीझ कर
 (c) उन पर व्यंग्य कर (d) उन पर क्रोध में
54. “हरि हैं राजनीति पढ़ि आए” का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए :
- (a) कृष्ण राजा बन गए और राज्य की नीति सीख लिए ।
 (b) कृष्ण राजनीति के कारण योग का प्रचार कर रहे हैं ।
 (c) कृष्ण अब पहले से ज्यादा बुद्धिमान हो गए हैं ।
 (d) कृष्ण अब और चतुर, छली और धोखा देने में माहिर हो गए हैं ।